रणजीत टाइम्स

सनातन सुविचार
"धर्मो रक्षति रक्षितः"
जो धर्म की रक्षा करता है, धर्म उसकी रक्षा करता है।

इंदौर

बुधवार, 15 अप्रैल, 2026
वर्ष 02 | अंक 95 कुल पृष्ठ : 8 | Digital
RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

आज लेंगे शपथ सम्राट चौधरी बनेंगे बिहार के नए मुख्यमंत्री

Nitish Kumar का इस्तीफा बिहार की राजनीति में एक युग के अंत के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने करीब दो दशकों तक अलग-अलग राजनीतिक समीकरणों के साथ राज्य की सत्ता संभाली। उनके इस्तीफे के बाद राज्य की सियासत पूरी तरह से नई दिशा में जाती दिख रही है।

NDA का शक्ति प्रदर्शन

शपथ ग्रहण समारोह को लेकर राजधानी पटना में जबरदस्त तैयारियां की जा रही हैं। इस मौके पर NDA के कई बड़े नेता और केंद्रीय मंत्री शामिल होंगे। इसे आगामी चुनावों से पहले NDA के शक्ति प्रदर्शन के तौर पर भी देखा जा रहा है।

बीजेपी की रणनीतिक बढ़त

मुख्यमंत्री बनाना बीजेपी की बड़ी रणनीतिक चाल मानी जा रही है। इससे पार्टी बिहार में अपने जनाधार को और मजबूत करना चाहती है। चौधरी को संगठन और सामाजिक समीकरणों का अच्छा अनुभव माना जाता है, जिसका फायदा पार्टी को मिल सकता है। आगे क्या? नई सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती विकास, कानून-व्यवस्था और रोजगार जैसे मुद्दों पर काम करना होगी। वहीं विपक्ष भी इस राजनीतिक बदलाव पर नजर बनाए हुए है और सरकार को घेरने की तैयारी में है। बिहार की राजनीति में यह बदलाव आने वाले दिनों में बड़े असर डाल सकता है, और सभी की नजर अब सम्राट चौधरी के पहले फैसलों पर टिकी हुई।

भारत दौरे पर आएंगे नेपाली पीएम बालेन शाह, स्वीकार किया पीएम मोदी का निमंत्रण; तैयारी तेज

नेपाल। नई सरकार बनने के बाद एक तरफ जहां बड़े सुधारों की शुरुआत हो गई है। वहीं अब दूसरी ओर विदेश नीति के स्तर पर भी हलचल तेज हो गई है। इस बात को ऐसे समझिए कि नेपाल के नवनिर्वाचित प्रधानमंत्री बालेन शाह ने नरेंद्र मोदी के भारत आने के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया है। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने इस बात की जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि दोनों देशों के विदेश मंत्रालय इस दौरे की तैयारी में जुट गए हैं। यह दौरा बालेन शाह के प्रधानमंत्री बनने के बाद उनका पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय दौरा माना जा रहा है। बता दें कि इससे पहले जून 2023 में पुष्प कमल दहल भारत की आधिकारिक यात्रा पर आए थे। नेपाल में बड़े बदलावों का दौर जारी बता दें कि नेपाल की राजधानी काठमांडू में नई सरकार ने एक बड़ा और सख्त 100-पॉइंट सुधार एजेंडा शुरू किया है। इसका मकसद देश की व्यवस्था को बेहतर बनाना और आम लोगों को राहत देना है। सरकार जिन मुख्य बदलावों पर काम कर रही है, उनमें शामिल है-

वीआईपी कल्चर को खत्म करना।
सरकारी कामकाज में देरी कम करना।
गरीबों के लिए मुफ्त स्वास्थ्य सेवा।
महिलाओं के लिए सुरक्षित पब्लिक ट्रांसपोर्ट।
छोटे बच्चों के लिए तनावमुक्त पढ़ाई।

शिक्षा और राजनीति पर बड़ा फैसला इसके अलावा सरकार ने शिक्षा व्यवस्था में बड़ा बदलाव करने का फैसला लिया है। अब स्कूल और कॉलेज में राजनीति पर रोक लगाई गई है। प्रधानमंत्री बालेन शाह ने कहा कि स्कूल और कॉलेज अब राजनीति का मैदान नहीं होंगे, बल्कि सिर्फ पढ़ाई के केंद्र बनेंगे। ऐसे में नेपाल सरकार की नई योजना के तहत अब 90 दिनों के अंदर छात्र संगठनों में राजनीतिक दखल खत्म किया जाएगा और उनकी जगह गैर-राजनीतिक छात्र परिषद बनाई जाएंगी।

भाजपा का 'सीएम प्रयोग'

बिहार में सत्ता, संतुलन और संदेश की राजनीति

बिहार की राजनीति एक निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। लगभग ढाई दशक तक सत्ता के केंद्र में रहे नीतीश कुमार के संभावित इस्तीफे के साथ ही राज्य में पहली बार पूर्ण रूप से भारतीय जनता पार्टी का मुख्यमंत्री बनने की स्थिति बन रही है। यह केवल नेतृत्व परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक संस्कृति, गठबंधन समीकरण और सत्ता संतुलन का बड़ा प्रयोग है। इस पूरे घटनाक्रम में दो नाम विशेष रूप से चर्चा में है-राजनाथ सिंह और शिवराज सिंह चौहान। 2020 में जो भूमिका राजनाथ सिंह ने निभाई थी, आज वैसी ही जिम्मेदारी शिवराज सिंह चौहान के कंधों पर है। 2020 का घटनाक्रम याद करना जरूरी है। उस समय भाजपा, जदयू से बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी, लेकिन उसने मुख्यमंत्री पद नीतीश कुमार को ही सौंपा। बदले में पार्टी ने सत्ता के भीतर संतुलन का नया फॉर्मूला लागू किया। सुशील कुमार मोदी को हटाकर तार किशोर प्रसाद और रेणु देवी को उपमुख्यमंत्री बनाया गया। यह निर्णय सिर्फ पद परिवर्तन नहीं था, बल्कि भाजपा की आंतरिक शक्ति संरचना को नए सिरे से गढ़ने की रणनीति थी। आज वही रणनीति एक बड़े स्तर पर दोहराई जा रही है। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार भाजपा 'किंगमेकर' नहीं, बल्कि सीधे 'किंग' बनने की स्थिति में है। शिवराज सिंह चौहान का पटना पहुंचना इसी प्रक्रिया का हिस्सा है-एक ऐसा पर्यवेक्षक, जो पहले से तय नाम पर विधायकों की सहमति की मुहर लगवाएगा।

यहां सबसे अहम सवाल है-क्या भाजपा इस मौके को केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित रखेगी, या इसे सामाजिक और राजनीतिक संदेश में भी बदलेगी? सम्राट चौधरी का नाम सबसे आगे बताया जा रहा है। यदि ऐसा होता है, तो

यह ओबीसी नेतृत्व को आगे बढ़ाने का स्पष्ट संकेत होगा। लेकिन भाजपा के भीतर कई और नामों की चर्चा यह भी दिखाती है कि पार्टी अंतिम क्षण तक संतुलन साधने की कोशिश में है। इस पूरे घटनाक्रम का दूसरा पहलू संगठनात्मक अनुशासन है। भाजपा में शीर्ष नेतृत्व का निर्णय अंतिम माना जाता है और विधायक दल की बैठक अक्सर औपचारिकता बन जाती है। यह मॉडल पार्टी को त्वरित निर्णय लेने में सक्षम बनाता है, लेकिन लोकतांत्रिक विमर्श की सीमाओं पर भी सवाल खड़े करता है। नीतीश कुमार का संभावित राज्यसभा जाना भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। यह संकेत देता है कि भाजपा अब बिहार में गठबंधन की मजबूरी से आगे बढ़कर अपने दम पर राजनीतिक जमीन मजबूत करना चाहती है। अंततः, बिहार में भाजपा का मुख्यमंत्री बनना केवल एक राज्य की सत्ता परिवर्तन की घटना नहीं है। यह राष्ट्रीय राजनीति में भाजपा के आत्मविश्वास, संगठनात्मक नियंत्रण और सामाजिक समीकरणों के नए प्रयोग का प्रतीक है। अब नजर इस बात पर है कि पार्टी किस नाम पर अंतिम मुहर लगाती है। क्या यह निर्णय केवल सत्ता का गणित होगा, या बिहार के सामाजिक समीकरणों को ध्यान में रखकर लिया गया एक दीर्घकालिक राजनीतिक संदेश भी देगा-यही इस पूरे घटनाक्रम की असली परीक्षा है।

शिवपुरी में अंबेडकर जयंती पर 'गंगा-जमुनी तहजीब' की मिसालः बाबा साहेब के चल समारोह पर मुस्लिम समाज ने बरसाए फूल, पिलाया शरबत

शिवपुरी |संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर आज शहर की सड़कों पर केवल उत्साह ही नहीं, बल्कि आपसी भाईचारे की एक बेहद खूबसूरत तस्वीर भी देखने को मिली। जब बाबा साहेब का भव्य चल समारोह मुस्लिम बाहुल्य इलाकों से गुजरा, तो वहां के निवासियों ने पलक-पांवड़े बिछाकर जुलूस का स्वागत किया

फूलों से स्वागत और ठंडे शरबत की मिठास

भीषण गर्मी के बावजूद चल समारोह में शामिल हजारों लोगों के उत्साह में कमी नहीं दिखी। इस दौरान मुस्लिम समाज के युवाओं और बुजुर्गों ने जगह-जगह स्टॉल लगाए। कहीं फूलों की वर्षा की गई, तो कहीं राहगीरों और प्रतिभागियों के लिए ठंडे पानी और शरबत के विशेष इंतजाम किए गए। सद्भावना का यह आलम था कि दोनों समुदायों के लोग एक-दूसरे को जय भीम की बधाई देते और गले मिलते नजर आए।

"संविधान हमें जोड़ता है" — मुस्लिम समाज का संदेश आयोजन के दौरान मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों ने बाबा साहेब के योगदान को याद करते हुए कहाः "हम हर साल बाबा साहेब की जयंती का इंतजार करते हैं। उन्होंने देश को वह संविधान दिया है जो हमें बराबरी और एकता का हक देता है। यह इस्तकबाल उसी संविधान और भाईचारे के प्रति हमारी श्रद्धा है। हमारा उद्देश्य समाज में अमन और चैन कायम रखना है।"

युवाओं में दिखा जबरदस्त उत्साह

चल समारोह में युवाओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। बाबा साहेब के जयघोष और नीले झंडों के बीच मुस्लिम समाज के इस सहयोग ने पूरे वातावरण को सामाजिक समरसता के रंग में रंग दिया। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस तरह के आयोजन नफरत की दीवारों को गिराकर प्रेम का सेतु बनाने का काम करते हैं।

धामनोद बाईपास पर सूरत से बिहार जा रहे कंटेनर में लगी भीषण आग, कपड़ों से भरा वाहन धूं-धूं कर जला बड़ा हादसा टला

दिलीप पाटीदार

धामनोद। मंगलवार को धामनोद बाईपास स्थित खाटू श्याम मंदिर के पास उस समय हड़कंप मच गया, जब मुंबई से इंदौर जा रहे कपड़ों से भरे एक ट्रक में अचानक भीषण आग लग गई।

चलते ट्रक में अचानक धुआं उठने लगा और कुछ ही पलों में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। जानकारी के मुताबिक, ट्रक (UP 21 CM 5760) कपड़ों की गठानों से भरा हुआ था। प्रारंभिक तौर पर आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। आग इतनी तेजी से फैली कि ट्रक का केबिन पूरी तरह जलकर खाक हो गया, वहीं अंदर रखा माल भी आंशिक रूप से जल गया। घटना की सूचना मिलते ही धामनोद नगर परिषद और महेश्वर की दमकल टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि अगर समय पर दमकल नहीं पहुंचती, तो आग और फैल सकती थी और बड़ा हादसा हो सकता था। गनीमत रही कि इस हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। फिलहाल आग लगने से लाखों रूपए का नुकसान का अनुमान लगाया जा रहा है। फिलहाल संबंधित विभाग मामले की जांच में जुटा हुआ है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर प्रेस वार्ता आयोजित। नारी शक्ति वंदन अधिनियम-महिला सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक कदम -केंद्रीय मंत्री सावित्री ठाकुर

नारी शक्ति वंदन अधिनियम से देश की आधी आबादी को मिलेगा न्याय

दिलीप पाटीदार

धार - सोमवार को होटल देव में आयोजित प्रेस वार्ता में केंद्रीय मंत्री भारत सरकार श्रीमती सावित्री ठाकुर जी ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम को देश की महिलाओं के लिए एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी पहल बताया। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में यह अधिनियम महिलाओं को सशक्त, आत्मनिर्भर और निर्णय लेने में सहभागी बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर है।

प्रेस वार्ता में धार विधायक श्रीमती नीना वर्मा भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्रीमती राखी राय महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती कुसुम सोलंकी जिला पंचायत सदस्य सुश्री गायत्री पुरोहित मोर्चा जिला महामंत्री सुनिता दुबे मंचासीन रहे । श्रीमती ठाकुर जी ने अपने उद्बोधन में बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और सशक्तिकरण के लिए लगातार ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, जनधन योजना, मातृत्व अवकाश में वृद्धि जैसे अनेक कदमों से महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। इस अधिनियम के माध्यम से संसद एवं राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 33 प्रतिशत तक आरक्षण प्रदान करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। यह केवल एक कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि देश की करोड़ों माताओं-बहनों के सम्मान, अधिकार और भागीदारी को सुनिश्चित करने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि विगत वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण को केंद्र में रखते हुए अनेक योजनाएं लागू की गई हैं। उज्ज्वला योजना के

माध्यम से करोड़ों महिलाओं को धुएं से मुक्ति मिली, जनधन खातों के जरिए आर्थिक सशक्तिकरण हुआ, और मुद्रा योजना से महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर प्राप्त हुए। इसके साथ ही 'बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ' अभियान ने समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच विकसित की है। श्रीमती ठाकुर जी ने यह भी उल्लेख किया कि महिलाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए सरकार ने मातृत्व अवकाश को 12 सप्ताह से बढ़ाकर 26 सप्ताह किया, जिससे कार्यरत महिलाओं को सम्मानजनक वातावरण मिला।

आज देश में महिलाओं की भागीदारी विज्ञान, तकनीक, शिक्षा और प्रशासन के हर क्षेत्र में निरंतर बढ़ रही है, जो एक विकसित भारत की नींव को मजबूत कर रही है।

उन्होंने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल वर्तमान को नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को सशक्त बनाने का माध्यम है। यह अधिनियम महिलाओं को नीति निर्माण में अधिक अवसर प्रदान करेगा और देश के लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाएगा। अंत में, श्रीमती सावित्री ठाकुर जी ने विश्वास व्यक्त किया कि यह ऐतिहासिक कदम भारत को महिला-नेतृत्व वाले विकास मॉडल की ओर अग्रसर करेगा और देश की बेटियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

रणजीत टाइम्स

भारतरत्न डॉ बी आर आंबेडकर की 135 वी जयंती पर महू जन्मस्थली पहुंचकर कांग्रेस नेताओं ने माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित की

महू-इंदौर- जिला कांग्रेस प्रवक्ता जुगनू जादवसिंह धनावत ने बताया भारतरत्न डॉ बी आर आंबेडकर की 135वी जयंती पर महू जन्मस्थली पहुंचकर कांग्रेस नेताओं ने माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित की इस अवसर पर मुख्य रूप से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार, सेवादल कांग्रेस अध्यक्ष अवनीश भार्गव, जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेड़े,वरिष्ठ कांग्रेस नेता योगेश यादव, सदाशिव यादव, कैलाशदत्त पांडे, मुजीब कुरैशी, जिला पंचायत सदस्य कन्हैयालाल ठाकुर, रुक्मणी निनामा, शवी मैडम, एडवोकेट दौलत पटेल, यदुनंदन पाटीदार,जुगनू जादवसिंह धनावत, जीतू ठाकुर, शक्तिसिंह गोयल, विजेंद्रसिंह चौहान, गजेंद्रसिंह राठौर, विजय नौलखा,विष्णु मालवीय, पुनीत शर्मा, नरेश जोशी, आनंद गोगलिया, कमल चौधरी, राजकुमार बागड़ी,रंजीत गौहर, दिनेश पंचोली, शिखा अमित

अग्रवाल, प्रेम चौहान,देवेंद्र अग्रवाल, मुन्नालाल वर्मा, कैलाश गोयल, नारायण पटेल, विवेक सकोरिया, अशोक आंजना, हुकमसिंह आंजना,गौरव शर्मा, अल अमन खान, शेखर मालवीय, इरशाद कुरैशी, जगमोहन सोन, ओमप्रकाश चौहान,विनोद भार्गव, योगेश बिना, विनोद पटेल, ओम पटेल,साकिर खान, गणेश यादव, छुटन कुरैशी, प्रवीण पाटिल, अभिषेक यादव,मुकेश दुबे, सोनी जी, शुभम जैन, लोकेश जाट, विजय जाट, रोहित ठाकुर, दिखपाल तोमर, कमल गौडाले, कालू जैन, मनमोहन कौशल, सतपाल निनामा, रामप्रसाद बारोड़, दिनेश मावी, इत्यादि सैकड़ो जनों ने जन्मस्थली पहुंचकर श्रद्धा सुमन अर्पित की। और बाहर से पधारे सभी अतिथियों के लिए कांग्रेस परिवार ने जगह-जगह टेंट लगाकर पानी, पोहे, फल, समोसे, व छाछ की व्यवस्था की गई।

सिरपुर अस्पताल पर लटका ताला खोलने की मांग; ग्रामीणों ने कहा- "इलाज के लिए दूसरे गांव जाने को मजबूर"

महेन्द्र मालवीय

बुरहानपुर | जिले के ग्राम सिरपुर में स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली का एक बड़ा मामला सामने आया है। यहाँ करोड़ों रुपये की लागत से नवनिर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) का भवन एक वर्ष से अधिक समय से बनकर तैयार है। विडंबना यह है कि ठेकेदार द्वारा भवन विभाग को हैंडओवर किए जाने के बावजूद, आज तक यहाँ ताले नहीं खुले हैं। प्रशासन की इस अनदेखी के कारण सिरपुर सहित आसपास के दर्जनों गाँवों के ग्रामीण बेहतर इलाज के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं।

विभाग को हैंडओवर, फिर भी सुविधाओं का अभाव- ग्रामीणों का कहना है कि सरकार ने जनता की सुविधा के लिए यहाँ भव्य अस्पताल भवन तो बनवा दिया, लेकिन इसके संचालन की सुध लेना भूल गई। एक साल पहले काम पूरा होने के बाद विभाग को बिल्डिंग सौंपी जा चुकी है। इतने लंबे समय से बंद पड़ी बिल्डिंग अब धीरे-धीरे जर्जर होने की कगार पर पहुँच रही है, जबकि ग्रामीण आज भी छोटी-मोटी बीमारियों के इलाज के लिए कई किलोमीटर दूर अन्य गाँवों या जिला अस्पताल जाने को विवश हैं।

ग्रामीणों ने जताई नाराजगी, प्रशासन के खिलाफ रोष- ग्राम सिरपुर के निवासी रविन्द्र जाधव और पंच जगन राठौर ने बताया कि अस्पताल शुरू होने से न केवल सिरपुर बल्कि आसपास के क्षेत्र के सैकड़ों लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने कहाः "करोड़ों रुपये की सरकारी राशि खर्च होने के बाद भी जनता को इसका लाभ नहीं मिलना दुर्भाग्यपूर्ण है। इलाज के अभाव में गरीबों को निजी अस्पतालों या दूसरे गाँवों की दौड़ लगानी पड़ती है। हमारी प्रशासन से मांग है कि इस अस्पताल को तत्काल प्रभाव से शुरू किया जाए।"

जिम्मेदार मौनः CMHO ने नहीं उठाया फोन- इस गंभीर समस्या को लेकर जब जिले के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (CMHO) से उनका पक्ष जानने के लिए संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। जिले के स्वास्थ्य विभाग के मुखिया का इस तरह संवेदनशील मुद्दे

पर प्रतिक्रिया न देना और ग्रामीणों की समस्या से किनारा करना प्रशासन की कार्यप्रणाली पर कई सवालिया निशान खड़े करता है।

ग्रामीण रविन्द्र जाधव की बाइट- "यह बहुत ही दुर्भाग्य की बात है कि हमारे गाँव में करोड़ों की लागत से अस्पताल की इमारत खड़ी है, लेकिन वह सिर्फ एक शोपीस बनकर रह गई है। एक साल से ज्यादा समय हो गया है जब यह बिल्डिंग बनकर तैयार हुई थी और विभाग को सौंपी गई थी। हमें उम्मीद थी कि अब हमें इलाज के लिए बाहर नहीं भागना पड़ेगा, लेकिन आज भी स्थिति वैसी ही है। छोटी-छोटी बीमारियों और इमरजेंसी के लिए हमें दूसरे गांवों के चक्कर लगाने पड़ते हैं। प्रशासन आखिर किस बात का इंतजार कर रहा है? इसे जल्द से जल्द शुरू किया जाना चाहिए।"

पंच जगन राठौर की बाइ- "पंच होने के नाते हमारे पास रोजाना ग्रामीण अपनी समस्याएं लेकर आते हैं। सिरपुर और आसपास के क्षेत्र की एक बड़ी आबादी इस अस्पताल पर निर्भर है। सरकार ने पैसा खर्च किया, बिल्डिंग बन गई, लेकिन डॉक्टरों और स्टाफ का अता-पता नहीं है। विभाग को हैंडओवर होने के बावजूद ताला लटका रहना सरकारी लापरवाही का जीता-जागता उदाहरण है। हमने और ग्रामीणों ने कई बार इस ओर ध्यान दिलाने की कोशिश की, लेकिन अधिकारी बात सुनने को तैयार नहीं हैं। हमारी मांग है कि प्रशासन अपनी नींद से जागे और इस अस्पताल को तुरंत चालू करे ताकि जनता को इसका लाभ मिल सके।"

भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर जी की जयंती बड़ी श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई कांग्रेसियों ने जिला अध्यक्ष अमित शुक्ला

नवल किशोर कुशवाहा

कटनी । भारत रत्न बाबा साहेब भीम राव अम्बेडकर जी की जयंती आदिवासी एवं दलित बस्ती में बड़े ही श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला जी के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहेब के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर की गई। उपस्थित जनसमूह को उनके जीवन संघर्ष, शिक्षा के प्रति समर्पण तथा सामाजिक न्याय के लिए किए गए ऐतिहासिक कार्यों के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान वक्ताओं ने कहा कि बाबा साहेब ने समाज के वंचित वर्गों को अधिकार दिलाने के लिए जीवनभर संघर्ष किया और समानता, स्वतंत्रता एवं बंधुत्व पर आधारित समाज की स्थापना की।

एड. अमित शुक्ला जी ने कहा कि हमें बाबा साहेब के बताए मार्ग पर चलकर समाज में समरसता एवं न्याय को मजबूत करना चाहिए। इस अवसर पर वार्ड के सभी निवासियों में विशेष उत्साह और प्रसन्नता देखने को मिली। स्थानीय लोगों ने भावुक होकर कहा कि पहली बार किसी राजनीतिक दल द्वारा उनके बीच आकर बाबा साहेब की जयंती मनाई गई और मिठाई वितरण कर उन्हें सम्मानित किया गया। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से ब्लॉक अध्यक्ष राजेश जाटव, अजय जैसवानी, जितेंद्र गुप्ता, पूर्व पार्षद मंजू निषाद, नारायण निषाद, अजय कोल, श्याम यादव, विजय मंगल चौधरी, जार्ज डेविड, रॉबिन पीटर, विनोद अहिरवार, अभय खरे, कैलाश कनौजिया, क्रांति चौबे, हरनाम सुंदरानी, हर्षित मिश्रा सहित सभी वार्डवासी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आत्मसाक्षात्कार क्या है? और इसे कैसे अनुभव किया जा सकता है?

आत्मसाक्षात्कार अपने को देखने, अपनी आत्मा को समझने और अपने चारों ओर फैली ईश्वरीय ऊर्जा को आत्मसात करने की प्रक्रिया है। सहजयोग एक ऐसा ध्यान योग है जो आत्मसाक्षात्कार (Self-Realization) को समझने व आत्मसात करने का सर्वाधिक सहज और सरल मार्ग है।

सहज योग प्रणेता परमपूज्य श्री माताजी निर्मला देवी द्वारा प्रतिपादित यह एक अनूठी ध्यान पद्धति है, जिसमें रीढ़ की हड्डी के नीचे त्रिकोणाकार अस्थि में साढ़े तीन कुंडल में सुप्तावस्था में स्थित कुंडलिनी ऊर्जा जागृत होकर सिर के सबसे ऊपर तालु भाग में सहस्रार चक्र तक पहुँचती है। यह मन की स्थिरता, आंतरिक शांति और परमात्मा से जुड़ाव का प्रत्यक्ष अनुभव है, जिसे हाथों और सिर पर ठंडी हवा (चैतन्य) के रूप में महसूस किया जा सकता है। अपने अंदर स्थित ईश्वर की अनुभूति के लिए हममें शुद्ध इच्छा और आत्मसाक्षात्कार की प्राप्ति जरुरी है। यह एक जीवंत, प्रायोगिक और निशुल्क प्रक्रिया है, जिससे व्यक्ति 'निर्विचार समाधि' (Thoughtless Awareness) और आत्म-शांति का अनुभव करता है।

आत्मसाक्षात्कार को अनुभव करना आसान है लेकिन इसके लिए हमें सहज योग के साप्ताहिक केंद्र तक पहुंचना होगा, जहाँ निशुल्क सहज योग ध्यान की विधि सिखाई जाती है। धरती पर हाथ रखकर, आकाश की ओर हाथ करते हुये व अपने हृदय, माथे और सिर के तालु भाग में हाथ रखकर की जाने वाली प्रार्थनायें तत्काल स्वीकृत होती हैं और साधक ठंडे चैतन्य का अनुभव करने लगता है। सहज योग ध्यान केंद्र में साप्ताहिक ध्यान उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि हर रोज घर पर दैनिक ध्यान। सहज योगी श्री माताजी के प्रवचनों को सुनकर अपने ज्ञान में वृद्धि करता है। सामूहिक ध्यान के दौरान हमारे चैतन्य एक दूसरे को भी ऊर्जावान करते हैं और यह हमारे सूक्ष्म तंत्र और कुंडलिनी शक्ति को स्वस्थ और ऊर्जावान बनाने में भी सहायक होते हैं। अतः सामुहिकता सहज योग की सबसे बड़ी आवश्यकता है। अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं। सहज योग सदैव निःशुल्क है।

निगमायुक्त, पार्षदों एवं अधिकारियों ने दी शहीद फायरकर्मियों को श्रद्धांजलि

"हरी झंडी दिखाकर जागरूकता वाहन को किया गया रवाना

नवल किशोर कुशवाह

कटनी । नगर पालिक निगम कटनी के सिविल लाइन स्थित अग्निशमन कार्यालय में मंगलवार प्रातः अग्निशमन सेवा दिवस गरिमापूर्ण ढंग से मनाया गया। इस अवसर पर निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार, निगम प्रशासन एवं अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा वर्ष 1944 में मुंबई डॉकयार्ड में हुए भीषण विस्फोट में कर्तव्य निभाते हुए शहीद हुए 66 दमकल कर्मियों को श्रद्धांजलि दी गई तथा दो मिनट का मौन रखकर उनके सर्वोच्च बलिदान का स्मरण किया गया।

कार्यक्रम में पार्षद अवकाश जायसवाल, मौसुफ अहमद बिट्टू, कार्यपालन यंत्री सुधीर मिश्रा, असित खरे, अंशुमान सिंह, राजस्व अधिकारी जागेश्वर पाठक, उपयंत्री मृदुल श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी एवं अग्निशमन विभाग के कर्मचारी उपस्थित रहे।

दमकल कर्मियों की भूमिका सराहनीय : निगमायुक्त

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए निगमायुक्त सुश्री परिहार ने कहा कि अग्निशमन कर्मी विषम परिस्थितियों में अपने कर्तव्यों

का निर्वहन करते हुए नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं, जो अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे अग्नि दुर्घटनाओं से बचाव हेतु आवश्यक सावधानियां अपनाएं तथा जागरूकता बढ़ाने में सहयोग करें। साथ ही, अग्निशमन कार्यालय के सुचारू संचालन हेतु आधुनिक संसाधन एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने का आश्वासन भी निगमायुक्त द्वारा दिया गया।

दिव्यांचल मैरिज गार्डन में की गई तालाबंदी

नवल किशोर कुशवाहा

कटनी । नगर पालिक निगम द्वारा शहर में अनधिकृत रूप से संचालित मैरिज गार्डनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई निरंतर जारी है। इसी क्रम में मंगलवार को झिंझरी स्थित दिव्यांचल मैरिज गार्डन में निगम की टीम द्वारा तालाबंदी की कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई "मध्यप्रदेश नगर पालिका विवाह स्थल पंजीयन एवं उपभोग उपविधि 2020" के प्रावधानों का उल्लंघन करने पर की गई। मौके पर अतिक्रमण प्रभारी मानेंद्र सिंह, क्षेत्रीय उपयंत्री संजय मिश्रा सहित अतिक्रमण दल के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

पूर्व में जारी किए गए थे नोटिस- नोडल अधिकारी, कॉलोनी सेल श्री अंशुमान सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि संबंधित मैरिज गार्डन बिना आवश्यक पंजीयन एवं लाइसेंस के संचालित हो रहा था। पूर्व में संचालकों को नोटिस जारी कर नियमानुसार लाइसेंस प्राप्त करने के निर्देश दिए गए थे, किन्तु निर्धारित समयावधि में पालन नहीं किए जाने पर यह कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि विगत दिवस नदी पार क्षेत्र में स्थित तीन अन्य मैरिज गार्डनों में भी इसी प्रकार की तालाबंदी की कार्रवाई करते हुए उनके संचालन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई गई थी।

पंजीयन एवं लाइसेंस अनिवार्य

निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि शहर में संचालित सभी विवाह स्थलों के लिए निर्धारित उपविधियों के अंतर्गत पंजीयन एवं लाइसेंस प्राप्त करना अनिवार्य है। नियमों का उल्लंघन करने वाले अन्य संस्थानों के विरुद्ध भी इसी प्रकार की कठोर कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

नागरिकों से अपील

निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे केवल वैध रूप से पंजीकृत एवं अनुमति प्राप्त विवाह स्थलों का ही उपयोग करें, ताकि सुरक्षा, स्वच्छता एवं आवश्यक व्यवस्थाओं के मानकों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

बैकलाइन में मेडिकल वेस्ट फेंकने पर 10 हजार का जुर्माना, निगम की सख्त कार्रवाई

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर नगर निगम द्वारा शहर में स्वच्छता व्यवस्था को लेकर लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में नगर निगम कमिश्नर क्षितिज सिंघल एवं अपर आयुक्त प्रखर सिंह के निर्देश पर आज झोन क्रमांक 01, वार्ड 09 में विशेष निरीक्षण अभियान चलाया गया। निरीक्षण के दौरान सिरुमल कॉलोनी एवं पेंजोन कॉलोनी में एक गंभीर लापरवाही सामने आई, जहां रहवासी दयाराम जायसवाल द्वारा बैकलाइन में मेडिकल वेस्ट फेंका जा रहा था। इस पर तत्काल कार्रवाई करते हुए संबंधित व्यक्ति पर 10,000 रुपए का स्पॉट फाइन लगाया गया। वहीं, अन्य स्थानों पर भी बैकलाइन में गंदगी पाए जाने पर 5,000 रुपए की अतिरिक्त चालानी कार्रवाई की गई। इस प्रकार कुल 15,000 रुपए का जुर्माना वसूला गया। यह कार्रवाई मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक विवेक यादव, पंकज सिंह राठौड़, वार्ड दरोगा राजेश चंदेले तथा बेसिक्स NGO टीम के अजय मोटे द्वारा संयुक्त रूप से की गई। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय रहवासियों को समझाइश भी दी गई कि वे अपने घरों से निकलने वाला कचरा केवल नगर निगम की कचरा गाड़ी में ही डालें और इधर-उधर फेंकने से बचें। नगर निगम ने नागरिकों से अपील की है कि वे स्वच्छता बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें, ताकि इंदौर की स्वच्छता रैंकिंग लगातार बरकरार रह सके।

अजाक्स संघ एवं अन्य सामाजिक संगठनों ने संयुक्त रूप में भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर जी की 135 वी जयंती का आयोजन धूमधाम से किया गया

नवल किशोर कुशवाहा

कटनी ।मध्य प्रदेश अजाक्स संघ जिला शाखा कटनी के जिला महासचिव पूर्णेश उइके ने बताया कि आज दिनांक 14 अप्रैल 2026 को अजाक्स संघ एवं अन्य सामाजिक संगठनों के संयुक्त तत्वाधान में भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर जी की 135 वीं जयंती कार्यक्रम दोपहर 01 बजे मुख्य रेलवे स्टेशन कटनी से सुभाष चौक झंडा बाजार आजाद चौक मिशन चौक होते हुए कार्यक्रम स्थल हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के मैदान माधवनगर गेट के सामने रैली पैदल भ्रमण करते हुए जय भीम जय संविधान बाबा साहब अमर रहे नारों से गुंजायमान होते हुए पहुंची इसके पश्चात मंचीय कार्यक्रम में श्री अरविंद सिंह पेंड्रो संभागीय संयुक्त सचिव के मुख्य आतिथ्य में श्री अरविंद सिंह धुर्वे जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में एवं श्री क्रांति कुंवर सिंह श्री मृत्युंजय सिंह श्री तोडर सिंह श्री ओमप्रकाश सकतेल श्री मनोज कोरी श्री विजय पटेल श्री अजय गोटियां श्री अरविंद टेकाम श्री चंद्रभान बौद्ध श्री राहुल भैया सुश्री मनीषा धुर्वे एड

जे पी चौधरी के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित हुआ समस्त वक्ताओं ने बाबा साहब के द्वारा लिखित संविधान सामाजिक समानता शिक्षा न्याय नारी सशक्तिकरण विश्व बंधुत्व की भावना पर विचार व्यक्त करते हुए समाज में भाईचारा एकता का संदेश दिया उक्त कार्यक्रम में अजाक्स संघ गोंडवाना सामाजिक उत्थान समिति कोल ट्राइबल फाउंडेशन अखिल भारतीय सफाई कर्मचारी संघ ट्रेड यूनियन, जयस, भारतीय युवा शक्ति संगठन, कोयतूर गोंड महासभा भीम आर्मी, ओ बी सी महासभा के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य गण सर्व श्री रामदास चौधरी देवी सिंह कुलस्ते सुग्रीम सिंह मरावी किशन लाल भूमिया सुलोचना सिंह अरविंद झरिया घनश्याम चौधरी सुरेन्द्र घरते जय चौधरी सुगराम नेहा आर्मो वैशाखू राम संध्या विनोद मंगल सिंह मरावी सहनाम सिंह गुलाब सिंह गुड्डा रैदास दयाराम विजय चौधरी सुभाष भानु प्रताप गुलाब सिंह वचन सिंह महिपाल सिंह जयपाल सिंह दुर्गेश मोगरे उमेश सोनखरे लालचंद हरीश बेन धर्मेंद्र राज सोहन दहिया मनोज दहिया संतोष सिंह सैयाम गवेंद्र उर्वेती मानसिंह कुणाल कोल आशुतोष धुर्वे दशरथ ए पी मौर्य ज्ञानवती जयभान सिंह सपना अजय पाल संतोष संदीप रैदास सोनू बेन योगेश अजय गौंटिया देवी सिंह अनंत प्रताप सारौते इंद्रभान अन्य उपस्थित होकर कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम का सफल संचालन अमित कुंडे तहसील अध्यक्ष कटनी के द्वारा किया गया।

एक्शन मोड में कलेक्टर अर्पित वर्मा: कोलारस-बदरवास के सरकारी दफ्तरों में मचा हड़कंप, स्वास्थ्य सेवाओं का लिया फीडबैक

ऋषि गोस्वामी

शिवपुरी | जिले की कमान संभालते ही नए कलेक्टर अर्पित वर्मा ने अपनी कार्यशैली के सख्त संकेत दे दिए हैं। मंगलवार को कलेक्टर

ने बिना किसी पूर्व सूचना के कोलारस और बदरवास क्षेत्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने न केवल फाइलों का अंबार खंगाला, बल्कि सीधे जनता के बीच पहुंचकर व्यवस्थाओं की जमीनी हकीकत जानी। दफ्तरों में सफाई और समय सीमा पर जोर कलेक्टर वर्मा ने अपने दौरे की शुरुआत कोलारस एसडीएम और तहसील कार्यालय से की। यहाँ उन्होंने लंबित प्रकरणों (पेंडिंग केसों) को लेकर सख्त नाराजगी जताई। उन्होंने स्पष्ट कहा कि: अभिलेखों का संधारण: रिकॉर्ड रूम में फाइलों को व्यवस्थित रखा जाए। राजस्व वसूली: डायवर्सन की वसूली में कोई कोताही न बरती जाए। जनता की राहत: लंबित प्रकरणों का निराकरण त्वरित गति से किया जाए।

अस्पताल में मरीजों से पूछा- 'इलाज सही मिल रहा है?'

प्रशासनिक अमले के साथ जब कलेक्टर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोलारस पहुंचे, तो वहां भर्ती मरीज उन्हें अपने बीच पाकर हैरान रह गए। कलेक्टर ने जनरल वार्ड और प्रसूति वार्ड में जाकर महिलाओं और उनके परिजनों से सीधा संवाद किया। उन्होंने पूछा कि अस्पताल में दवाइयां मुफ्त मिल रही हैं या बाहर से लानी पड़ रही हैं। विशेष ध्यान: कलेक्टर ने बच्चों के पोषण पुनर्वास केंद्र (NRC) का बारीकी से निरीक्षण किया और अस्पताल में एंटी रैबीज व एचपीवी वैक्सीन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बदरवास में व्यवस्थाएं सुधारने की चेतावनी

बदरवास तहसील के निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने दफ्तर के रख-रखाव पर असंतोष जताया। उन्होंने परिसर में साफ-सफाई और बेहतर प्रकाश व्यवस्था के साथ-साथ मीटिंग हॉल में आवश्यक नाम पट्टिकाएं लगाने के निर्देश दिए। "प्रशासन का उद्देश्य केवल फाइलों का निपटारा नहीं, बल्कि अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक सुविधाओं को पहुंचाना है। लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।" — अर्पित वर्मा, कलेक्टर शिवपुरी मौके पर मौजूद रहे: निरीक्षण के दौरान एसडीएम अनूप श्रीवास्तव, बीएमओ संजय राठौर सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी और चिकित्सा स्टाफ मौजूद रहा। कलेक्टर के इस कड़े रुख से जिले के लापरवाह अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप की स्थिति है।

भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकरजी की जयंती पर भाजपा नेताओं ने उन्हें याद कर पुष्पांजलि अर्पित की

दिलीप पाटीदार

धार। बाबा साहेब भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की 135वीं जयंती के पावन अवसर पर केंद्रीय राज्यमंत्री एवं धार सांसद श्रीमती सावित्री ठाकुर भाजपा जिला अध्यक्ष महंत निलेश भारती धार विधानसभा क्षेत्र विधायक श्रीमती नीना वर्मा जिला पंचायत अध्यक्ष सरदार सिंह मेड़ा अनुसूचित जाति मोर्चा जिला अध्यक्ष पूनमचंद फकीरा अभियान जिला टोली जिला संयोजक विपिन राठौर सह संयोजक अनुसूचित जाति मोर्चा प्रदेश कार्य समिति सदस्य राकेश चौहान ने त्रिमुर्ति चौराहे स्थित बाबा साहेब प्रतिमा पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए पुष्पांजलि अर्पित की।

श्रीमती सावित्री ठाकुर ने कहा कि बाबासाहेब का संपूर्ण जीवन सामाजिक न्याय, समानता एवं मानवाधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने भारतीय समाज को एक नई दिशा प्रदान करते हुए संविधान के माध्यम से प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार दिलाने का ऐतिहासिक कार्य किया। उनके विचार, संघर्ष और आदर्श आज भी हमें एक समतामूलक एवं सशक्त समाज के निर्माण के लिए प्रेरित करते हैं। निलेश भारती ने कहा कि भारतीय संविधान के शिल्पकार, सामाजिक

न्याय के पुरोधा, 'भारत रत्न' श्रद्धेय बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती पर कोटि-कोटि नमन करता हूँ। शिक्षा और समानता के माध्यम से आपने महिला सशक्तिकरण के प्रयासों को गति दी। समता, न्याय और अधिकारों पर आधारित सशक्त भारत की जो नींव आपने रखी, वह आज भी राष्ट्र निर्माण का पथ प्रशस्त कर रही है।

विधायक नीना वर्मा ने गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति में "अभिव्यक्ति स्थल" को बाबा साहब अंबेडकर उद्यान सह अभिव्यक्ति स्थल" के रूप में विकसित करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष विशाल निगम और जयराज देवड़ा भाजपा नेता अशोक जैन विश्वास पांडे ज्ञानेंद्र त्रिपाठी पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष ममता जोशी जिला उपाध्यक्ष राखी राय अनिल जैन बाबा भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा कालीचरण सोनवानीया मोहित तातेड रतन पवार सुरेश प्रजापत राजेश हारोड़ टोनी ठाकुर मनीष प्रधान महेश बोडाने बादल मालवीय देवेंद्र रावल सोनिया राठौर अतुल फकीरा निशा शर्मा अल्पना जोशी अनुसूया वैष्णव सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्तागण उपस्थित रहे। डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की 135वीं जयंती की पूर्व संध्या पर त्रिमुर्ति चौराहे स्थित बाबा साहेब प्रतिमा पर दुग्ध अभिषेक तथा परिसर में स्वछता अभियान चलाकर साफ सफाई की गई और प्रतिमा स्थल को दीपमाला से सजाया गया। संचालन पुरुषोत्तम चौहान आभार राकेश चौहान ने माना। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

सीनियर को छोड़ जूनियर को कैसे बना दिया हेड ऑफ फॉरेस्ट फोर्स, केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण ने मांगा जवाब

जबलपुर : कनिष्ठ अधिकारी को हेड ऑफ फॉरेस्ट फोर्स नियुक्ति किए जाने के मामले में केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण में सोमवार को सुनवाई हुई. नियुक्ति को चुनौती देते हुए मध्य प्रदेश के सबसे वरिष्ठ भारतीय वन सेवा के अधिकारी ने केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण में याचिका दायर की थी। जूनियर अधिकारी को बना दिया हेड ऑफ फोर्सेज याचिकाकर्ता हिदायत उल्ला खान की तरफ से दायर याचिका में कहा गया था कि वह साल 1989 भारतीय वन सेवा के अधिकारी हैं. प्रदेश के सबसे वरिष्ठ आईएफएस (IFS) अधिकारी होने के बावजूद भी उनसे जूनियर अधिकारी शुभ रंजन सेन को मध्य प्रदेश राज्य में हेड ऑफ फॉरेस्ट फोर्सेज के तौर पर नियुक्त किया गया है. चयनित अधिकारी वरिष्ठता सूची में पांचवें नंबर 5 में आते हैं और साल 1991 के आईएसएस अधिकारी हैं।

सीनियर की परफॉर्मेंस व वरिष्ठता दरकिनार करने के आरोप याचिका में कहा गया था कि याचिकाकर्ता का पिछले पांच सालों की एनुअल परफॉर्मेंस अप्रेजल रिपोर्ट (एपीएआर) आउटस्टैंडिंग थी. इसके बावजूद भी उनकी उनकी

सीनियरिटी को नजरअंदाज करते हुए विगत 28 फरवरी 2026 को अनावेदक शुभ रंजन सेन को हेड ऑफ फॉरेस्ट फोर्सेज पद पर नियुक्त करने के आदेश जारी कर दिए गए. उनकी नियुक्ति के आदेश अप्रैल 2009 को जारी गाइडलाइन के विपरीत हैं. आवेदन में आरोप लगाया गया है कि बाहरी वजहों से उन्हें हेड ऑफ फॉरेस्ट फोर्सेज पद पर नियुक्ति किया गया है. यह भी पढ़ें- भोजशाला में मिटाए गए थे संस्कृत श्लोक, मंदिर के ऊपर बनाए थे नए स्ट्रक्चर, चौथे दिन की सुनवाई में दिए ये तर्क किन बाहरी कारणों से दी गई नियुक्ति, अधिकरण ने मांगा जवाब याचिका में कहा गया था कि किन बाहरी कारणों से जूनियर अधिकारी को नियुक्ति प्रदान की गई इसकी जांच होनी चाहिए. इस मामले में अधिकरण ने याचिका की सुनवाई करते हुए केंद्रीय प्रमुख सचिव वन विभाग,चयन समिति तथा चयनित जूनियर अधिकारी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है. केंद्रीय प्रशासनिक अधिकरण ने आवेदन की सुनवाई के बाद अनावेदको को नोटिस जारी किया है. याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता उत्कृष्ट अग्रवाल ने पैरवी की।

25 साल बाद बुकिंग क्लर्क को मिला न्याय

वहीं, जबलपुर हाईकोर्ट ने 25 साल पुराने एक मामले में फैसला देते हुए रेलवे के बुकिंग क्लर्क को बड़ी राहत दी है. रेलवे में नौकरी के दौरान एक बुकिंग क्लर्क को महज 10 रुपए अधिक लेने के आरोप में विजिलेंस ने पकड़कर कार्रवाई कर दी थी. इस मामले में बुकिंग क्लर्क ने तर्क दिया था कि जिस वक्त ये हुआ, उस वक्त काउंटर पर बहुत भीड़ थी और भूलवश 10 रु ज्यादा ले लिए होंगे. लेकिन विजिलेंस ने बिना तर्क सुने उनपर कार्रवाई की और रेलवे से बर्खास्त कर दिया गया. जनवरी 2001 के इस मामले में सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने बुकिंग क्लर्क नारायण नायर के पक्ष में फैसला सुनाया और कहा कि विभागीय जांच निष्पक्ष होनी चाहिए थी. इसके साथ ही कोर्ट ने विजिलेंस की कार्रवाई को गलत बताया।

सर्वोच्च न्यायालय ने जदयू नेता लालू प्रसाद के खिलाफ सीबीआई की एफआईआर रद्द करने से इंकार किया

राष्ट्रीय जनता दल के वरिष्ठ नेता लालू प्रसाद यादव को सर्वोच्च न्यायालय से बड़ा झटका लगा है। न्यायालय ने तथाकथित जमीन के बदले नौकरी मामले में उनके खिलाफ सीबीआई की एफआईआर और आरोप पत्र रद्द करने से इंकार कर दिया है। हालांकि न्यायमूर्ति एम एम सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने 77 वर्षीय लालू प्रसाद को निचली अदालत में उनको व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने की छूट दे दी। सुनवाई के दौरान सीबीआई ने दलील दी की इस मामले में पूर्वानुमति की जरूरत नहीं है जबकि बचाव पक्ष ने कहा कि जांच की स्वीकृति न मिलने से पूरी कार्यवाही अवैध हो जाती है। इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने आरोप पत्र और एफआईआर रद्द करने की श्री लालू यादव की याचिका खरिज कर दी थी और कहा था कि वर्ष 2018 में लागू हुई धारा 17 ए, 2004 से 2009 के बीच किए गए अपराधों पर लागू नहीं होती। यह मामला रेल मंत्री के रूप में श्री यादव के कार्यकाल के दौरान रेलवे में कथित रूप से अनियमित नियुक्तियों से संबंधित है जिसके बदले श्री लालू के परिवार के सदस्यों और सहयोगियों को जमीन हस्तांतरित की गई थी।

न OTP आया, न कोई कॉल-लिंक... ग्वालियर में अनोखी साइबर ठगी, कोचिंग संचालक के खाते से उड़ाए लाखों रुपये

ग्वालियरः शहर के आम-खो, विजय नगर इलाके में साइबर अपराधियों ने एक सनसनीखेज वारदात (Cyber Fraud) को अंजाम दिया है। यहां रहने वाले कोचिंग संचालक दीपक शर्मा के बैंक खाते से बिना किसी कॉल, SMS या OTP के 2.49 लाख निकाल लिए गए।

तीन रातों में खाली हुआ बैंक खाता

ठगी की यह वारदात फरवरी माह में अंजाम दी गई। ठगों ने सुनियोजित तरीके से 20 फरवरी से 22 फरवरी के बीच ठीक रात 11 बजे के बाद यूपीआई (UPI) के जरिए पांच किस्तों में पैसे निकाले। 20 फरवरी को दो बार में 1 लाख, 21 फरवरी को 50 हजार और 22 फरवरी को 99,999 निकाले गए। पीड़ित को इस सेंधमारी का पता तब चला जब काफी देर हो चुकी थी।

पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल- पीड़ित दीपक शर्मा ने बताया कि घटना के तुरंत बाद उन्होंने कंपू थाने में शिकायत की थी, लेकिन पुलिस ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। कई महीनों तक थाने और एसएसपी कार्यालय के चक्कर काटने और साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत के बाद, अब दो महीने की देरी से एफआईआर दर्ज की गई है। पीड़ित का मानना है कि यदि पुलिस समय पर सक्रिय होकर खाता फ्रीज कर देती, तो उनकी जमा पूंजी बच सकती थी।

मोबाइल हैकिंग की आशंका

प्रारंभिक जांच में पुलिस को संदेह है कि अपराधियों ने पीड़ित का मोबाइल हैक कर लिया था। हैकिंग के जरिए ठगों ने नेट बैंकिंग के लॉगिन आईडी और पासवर्ड का एक्सेस प्राप्त कर लिया। इसी वजह से बिना किसी ओटीपी के पैसे ट्रांसफर करना संभव हो पाया।

नागपुर में राजधानी एक्सप्रेस से 4.26 करोड़ रुपये की कोकीन जब्त, एक महिला गिरफ्तार

नागपुरः डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (DRI) ने सोमवार को एक इंटर-स्टेट ड्रग्स ट्रैफिकिंग रैकेट का भंडाफोड़ किया और हजरत निजामुद्दीन-बेंगलुरु राजधानी एक्सप्रेस से लगभग 4.26 करोड़ रुपये कीमत का 853 ग्राम कोकीन जब्त किया डीआरआई के मुताबिक यह ऑपरेशन मुंबई जोन की नागपुर रीजनल यूनिट ने खास इंटेलिजेंस इनपुट के आधार पर किया था. खुफिया सूचना पर कार्रवाई करते हुए डीआरआई अधिकारियों ने ट्रेन नंबर 22692 हजरत निजामुद्दीन केएसआर बेंगलुरु राजधानी एक्सप्रेस में सफर कर रही एक महिला को रोका जब वह नागपुर रेलवे स्टेशन से गुजरी अधिकारियों ने कहा कि महिला पर अपने सामान में नशीली चीजें रखने का शक था. अधिकारी नागपुर में ट्रेन में चढ़े और महिला से आगे की जांच के लिए उतरने को कहा. इसके बाद वह अजनी रेलवे स्टेशन पर उतरी, जहाँ उसकी अच्छी तरह से तलाशी ली गई।

जांच के दौरान अधिकारियों को उसके सामान में शैम्पू की दो बोतलें मिली जो बहुत ज्यादा भारी लग रही थी. करीब से जांच करने पर लिक्विड निकाला गया, जिससे अंदर छिपे 50 पीले रंग के सीलबंद कैप्सूल मिले हर कैप्सूल में कोकीन पाउडर भरा हुआ था. जैसे ही शुरुआती जांच में यह पक्का हो गया कि यह नशीली चीज है, अधिकारियों ने सामान जब्त कर लिया. जब्त की गई कोकीन की ब्लैक-मार्केट कीमत लगभग 4.26 करोड़ रुपये आंकी गई है।

एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया और महिला को गिरफ्तार कर लिया गया. अधिकारियों ने कहा कि महिला को 12 अप्रैल को नागपुर में हॉलिडे कोर्ट में पेश किया गया, जिसने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया. डीआरआई ने आगे कहा कि ट्रैफिकिंग ऑपरेशन में शामिल बड़े नेटवर्क की पहचान करने और तस्करी के सोर्स और मंजिल का पता लगाने के लिए जांच चल रही है. हाल के दिनों में डीआरआई नागपुर टीम ड्रग माफियाओं के खिलाफ लगातार कई ऑपरेशन चला रही है. वर्धा में मेफेड्रोन बनाने वाली यूनिट को बंद करना, भागेमारी टोल प्लाजा पर गांजे की एक बड़ी खेप को जब्त करना और भिलाई और अमरावती में किए गए ऑपरेशन ने मिलकर इंटरस्टेट ड्रग सिंडिकेट को अंदर तक हिला दिया है।

खामोश हो गई शोखियों की वह अनंत सरगम: आशा भोसले के जाने से थम गया एक युग

भारतीय फिल्म संगीत के विशाल आकाश में एक ऐसी आवाज थी, जो आग के शोलों की तरह लपकती थी, जो दिलों को झंकृत करती थी, जो हर सुर में एक अलग तरह की मादकता और जीवंतता घोल देती थी। आज वह आवाज सदा के लिए खामोश हो गई है।

आशा भोसले का जाना केवल एक कलाकार का अवसान नहीं, बल्कि एक पूरे युग का अंत है। यह उस संगीत परंपरा की विदाई है, जिसने दशकों तक भारतीय सिनेमा को अपने सुरों से सजाया और पीढ़ियों को भावनाओं के एक अद्भुत संसार से जोड़े रखा। पंडित दीनानाथ मंगेशकर की बेटी और लता मंगेशकर की छोटी बहन होने के बावजूद आशा भोसले ने अपनी पहचान किसी के साये में नहीं बनने दी। बल्कि उन्होंने अपने लिए एक अलग रास्ता बनाया, एक ऐसा रास्ता जिसमें परंपरा और आधुनिकता का अद्भुत संगम था। जहां लता की आवाज में पवित्रता और आत्मिक गहराई थी, वहीं आशा की आवाज में जीवन का रंग, चंचलता और एक अनोखी शोखी थी। यही कारण है कि उन्हें केवल एक गायिका नहीं, बल्कि एक संपूर्ण भावनात्मक अनुभव के रूप में याद किया जाएगा। 1933 में महाराष्ट्र के सांगली में जन्मीं आशा भोसले का जीवन संघर्षों और चुनौतियों से भरा रहा। कम उम्र में ही पिता का साया उठ गया और परिवार की जिम्मेदारी कंधों पर आ गई। ऐसे समय में उन्होंने संगीत को न केवल अपना सहारा बनाया, बल्कि उसे अपनी पहचान भी बना लिया। शुरुआती दौर आसान नहीं था। फिल्म इंडस्ट्री में पहले से स्थापित बड़ी बहन लता मंगेशकर की छाया में खुद को स्थापित करना किसी चुनौती से कम नहीं था। लेकिन आशा भोसले ने हार नहीं मानी। उन्होंने छोटे-मोटे गीतों से शुरुआत की, बी-ग्रेड फिल्मों में गाया, और धीरे-धीरे अपनी एक अलग जगह बना ली।

उनकी आवाज में जो विविधता थी, वह अद्वितीय थी। वे हर तरह के गीतों को अपनी शैली में ढाल सकती थीं। चाहे वह क्लब सॉन्ग हो, कैबरे हो, रोमांटिक गीत हो या फिर दर्द भरे नगमे-हर जगह उनकी आवाज एक अलग रंग भर देती थी। 'आइए मेहरबां' (हावड़ा ब्रिज), 'मुड़-मुड़ के न देख' (श्री 420) और 'शोख नजर की बिजलियां' (वो कौन थी) जैसे गीतों में उनकी वही चुलबुली, आकर्षक और सम्मोहक शैली देखने को मिलती है, जिसने उन्हें भीड़ से अलग खड़ा किया। उनका संगीत केवल मनोरंजन नहीं था, बल्कि वह समय के बदलते मिजाज का भी प्रतीक था। जब भारतीय समाज आधुनिकता की ओर बढ़ रहा था, तब आशा भोसले की आवाज उस बदलाव की धड़कन बन गई। उन्होंने उन गीतों को आवाज दी, जिन्हें सुनकर युवा पीढ़ी खुद को अभिव्यक्त कर पाती थी। क्लब और महफिलों के गीतों को एक नई पहचान देने का श्रेय भी काफी हद तक उन्हें ही जाता है। उन्होंने यह साबित किया कि पार्श्वगायन केवल गंभीर और भावुक गीतों तक सीमित नहीं है, बल्कि उसमें जीवन के हर रंग को समेटने की क्षमता है।

उनके करियर में ओ. पी. नैयर का आगमन एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ। 1957 में आई फिल्म नया दौर के गीतों ने उन्हें राष्ट्रीय पहचान दिलाई। मोहम्मद रफी के साथ उनका गाया 'मांग के साथ तुम्हारा' आज भी लोगों के दिलों में बसा हुआ है। ओ. पी. नैयर और आशा भोसले की जोड़ी ने लगभग दो दशकों तक हिंदी फिल्म संगीत को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। इस जोड़ी के गीतों में जो ऊर्जा, जो लय और जो ताजगी थी, वह आज भी अप्रतिम मानी जाती है।

इसके बाद आर. डी. बर्मन के साथ उनकी जुगलबंदी ने जैसे संगीत की दुनिया में एक नया अध्याय लिख दिया। पंचम दा के प्रयोगधर्मी संगीत और आशा भोसले की बहुमुखी आवाज ने मिलकर ऐसे गीतों को जन्म दिया, जो आज भी सदाबहार हैं। 'दम मारो दम', 'पिया तू अब तो आजा', 'चुरा लिया है तुमने' जैसे गीत केवल गाने नहीं, बल्कि सांस्कृतिक प्रतीक बन चुके हैं। इन गीतों में आशा की आवाज की जो नटखटता और आत्मविश्वास है, वह उन्हें अद्वितीय बनाता है। खय्याम के साथ उनका काम भी उतना ही उल्लेखनीय रहा। फिल्म उमराव जान के गीतों में उन्होंने जिस नजाकत और शास्त्रीयता का परिचय दिया, वह उनके गायन की गहराई को दर्शाता है। 'दिल चीज क्या है' और 'इन आंखों की मस्ती' जैसे गीतों में उनकी आवाज एक अलग ही रूप में सामने आती है-संवेदनशील, परिपक्व और बेहद भावपूर्ण। आशा भोसले की सबसे बड़ी खासियत यह थी कि उन्होंने कभी भी खुद को किसी एक शैली तक सीमित नहीं रखा। उन्होंने हर नए दौर के साथ खुद को ढाला, हर नए संगीतकार के साथ तालमेल बिठाया और हर नई पीढ़ी के साथ संवाद कायम रखा। यही कारण है कि वे दशकों तक प्रासंगिक बनी रहीं। उनके गीतों में जो जीवंतता है। वह आज भी उतनी ही ताजा लगती है, जितनी अपने समय में थी।

ममता का मोदी पर तीखा वार

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की सियासत फिर गरमा गई है। Mamata Banerjee ने प्रधानमंत्री Narendra Modi पर तीखा तंज कसते हुए पूछा- "आप प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं या बंगाल के मुख्यमंत्री?" सूरी में चुनावी सभा के दौरान ममता बनर्जी ने पीएम मोदी के उस बयान पर पलटवार किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि वे "बंगाल की हर सीट के प्रत्याशी" हैं। ममता ने कहा कि देश चलाने की जिम्मेदारी निभाने के बजाय हर राज्य की राजनीति में सीधे दखल देना ठीक नहीं है।

उन्होंने बीजेपी पर आरोप लगाया कि पार्टी बंगाल में बाहरी हस्तक्षेप कर राज्य की राजनीति को प्रभावित करना चाहती है। वहीं भाजपा पहले ही ममता सरकार पर भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति करने के आरोप लगा चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी ने हाल की रैली में कहा था कि वे बंगाल की हर सीट के उम्मीदवार हैं क्योंकि जनता का भरोसा उनके साथ है। यही बयान अब राजनीतिक विवाद का बड़ा कारण बन गया है। जैसे-जैसे चुनाव करीब आ रहे हैं, पश्चिम बंगाल में सियासी बयानबाजी और तेज होती जा रही है। एक तरफ ममता बनर्जी क्षेत्रीय अस्मिता का मुद्दा उठा रही हैं, तो दूसरी ओर बीजेपी विकास और राष्ट्रीय नेतृत्व के नाम पर जनता से समर्थन मांग रही है।

चीन की रियल एस्टेट कंपनी का काला सच: एवरग्रांडे संस्थापक ने 300 अरब डॉलर घोटाले का गुनाह कबूला

चीन की दिग्गज रियल एस्टेट कंपनी China Evergrande Group के संस्थापक Hui Ka Yan (जिन्हें शू जियायिन भी कहा जाता है) ने अदालत में कई गंभीर आरोपों को स्वीकार कर लिया है। चीन की एक अदालत के अनुसार, हुई का यान ने धोखाधड़ी, रिश्वतखोरी, अवैध रूप से जनता से पैसा जुटाने और फंड के गलत इस्तेमाल जैसे आरोपों में खुद को दोषी माना है। उन्हें सितंबर 2023 में हिरासत में लिया गया था और अब अदालत ने कहा है कि अंतिम फैसला बाद में सुनाया जाएगा। मुकदमे के दौरान हुई ने अदालत में अपने किए पर पछतावा भी जताया। उनके खिलाफ अवैध लोन देने, नियमों के खिलाफ संवेदनशील जानकारी साझा करने और वित्तीय गड़बड़ियों जैसे कई अन्य आरोप भी लगाए गए हैं। एवरग्रांडे कभी दुनिया की सबसे ज्यादा कर्ज में डूबी रियल एस्टेट कंपनी थी, जिस पर 300 अरब डॉलर से ज्यादा की देनदारी थी। 2024 में हांगकांग की अदालत ने कंपनी को खत्म (लिक्विडेशन) करने का आदेश दिया था, और 2025 में इसके शेयर स्टॉक एक्सचेंज से हटा दिए गए। यह कंपनी 1990 के दशक में शुरू हुई थी और चीन के रियल एस्टेट सेक्टर में तेजी से बढ़ी। लेकिन 2020 में सरकार द्वारा कर्ज पर सख्ती करने के बाद एवरग्रांडे समेत कई कंपनियां वित्तीय संकट में फंस गईं। इस संकट का असर सिर्फ कंपनी तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इससे चीन की अर्थव्यवस्था पर भी दबाव पड़ा। रियल एस्टेट सेक्टर में गिरावट ने दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था को हिला दिया और वैश्विक वित्तीय बाजारों में भी चिंता बढ़ा दी। विशेषज्ञों का मानना है कि एवरग्रांडे केस चीन के रियल एस्टेट बबल के फूटने का सबसे बड़ा उदाहरण है, जिसने पूरे सेक्टर की कमजोरियों को उजागर कर दिया है।

MP कैबिनेट का बड़ा फैसला: 8 नए वन स्टॉप सेंटर और UCC के लिए बनेगी विशेष कमेटी

भोपालः मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रालय में आयोजित कैबिनेट बैठक में मध्य प्रदेश के सर्वांगीण विकास और सामाजिक सुरक्षा को लेकर कई ऐतिहासिक निर्णयों पर मुहर लगाई गई। सरकार ने महिला सशक्तिकरण, बुनियादी ढांचे के विकास और कानूनी सुधारों की दिशा में महत्वपूर्ण वित्तीय और प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की है।

महिला सुरक्षा हेतु 8 नए वन स्टॉप सेंटर

हिंसा से प्रभावित महिलाओं और बालिकाओं को तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए राज्य में 8 नए वन स्टॉप सेंटर खोलने की मंजूरी दी गई है। ये सेंटर मैहर, मऊगंज, पांढुर्णा, धार के मनावर व पीथमपुर, इंदौर के लसूड़िया व सांवेर और झाबुआ के पेटलावद में स्थापित किए जाएंगे। यहां पीड़ितों को एक ही छत के नीचे चिकित्सा, कानूनी सहायता, मनोवैज्ञानिक परामर्श और अस्थाई आश्रय जैसी

सुविधाएं मिलेंगी। इसके साथ ही, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ और महिला हेल्पलाइन-181 जैसी योजनाओं के लिए वर्ष 2031 तक 240 करोड़ का बजट आवंटित किया गया है।

समान नागरिक संहिता (UCC) के लिए समिति का गठन

उत्तराखंड और गुजरात की तर्ज पर मध्य प्रदेश में भी समान नागरिक संहिता (UCC) लागू करने की तैयारी शुरू हो गई है। कैबिनेट ने इसके लिए एक पांच सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति बनाने का निर्णय लिया है। यह समिति सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में कार्य करेगी, जिसमें प्रशासनिक अधिकारी, कानून विशेषज्ञ और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल होंगे। समिति 60 दिनों के भीतर उत्तराखंड और गुजरात के मॉडलों का अध्ययन कर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

बुनियादी ढांचे और सिंचाई के लिए भारी निवेश राज्य सरकार ने 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक की अवधि के लिए लोक कल्याणकारी कार्यों हेतु 19,810 करोड़ की राशि स्वीकृत की है। इस बजट का एक बड़ा हिस्सा, लगभग 10,801 करोड़, सड़क और पुल निर्माण के लिए रखा गया है। इसमें एन्यूटी भुगतान और 'बनाओ, चलाओ और सौंपो' (BOT) मॉडल के तहत सड़कों के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है।

"टेंपल मैनेजमेंट" कोर्स पर सियासी घमासान

मध्य प्रदेश में एक नए कोर्स को लेकर राजनीति गरमा गई है। विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन (सम्राट विक्रमादित्य यूनिवर्सिटी) जुलाई सत्र से "टेंपल मैनेजमेंट" कोर्स शुरू करने जा रही है। इस कोर्स का उद्देश्य मंदिरों के संचालन को प्रोफेशनल बनाना बताया जा रहा है। इसमें मंदिर प्रशासन, भीड़ नियंत्रण, ट्रस्ट मैनेजमेंट, धार्मिक आयोजन, सुरक्षा और तीर्थ पर्यटन जैसे विषय पढ़ाए जाएंगे। सरकार का कहना है कि इससे युवाओं को रोजगार मिलेगा और बड़े मंदिरों की व्यवस्था बेहतर होगी।

वहीं विपक्ष ने इस फैसले पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उनका आरोप है कि सरकार शिक्षा के जरिए धार्मिक एजेंडा आगे बढ़ा रही है और यह सेक्युलर व्यवस्था के खिलाफ है। कुछ नेताओं ने इसे सरकारी संसाधनों के गलत इस्तेमाल तक बता दिया। सरकार ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि देश में हजारों बड़े मंदिर हैं, जहां प्रोफेशनल मैनेजमेंट की जरूरत है। धार्मिक पर्यटन तेजी से बढ़ रहा है और इस कोर्स से स्किल डेवलपमेंट को बढ़ावा मिलेगा, न कि किसी धर्म विशेष का प्रचार। उज्जैन जैसे धार्मिक शहर में महाकालेश्वर मंदिर में हर साल लाखों श्रद्धालु आते हैं, जहां भीड़ और व्यवस्थाओं को संभालना बड़ी चुनौती होती है। ऐसे में प्रशिक्षित मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स की मांग लंबे समय से महसूस की जा रही थी। अब बड़ा सवाल यही है-क्या "टेंपल मैनेजमेंट" रोजगार का नया मौका है या फिर सियासत का नया मुद्दा?

गुरूजनों की जमीन पर गुरुघंटालों का कब्जा!

सुदामा नगर शिक्षक कल्याण समिति की जमीन पर अवैध निर्माण का बड़ा खेल

इंदौर में सार्वजनिक जमीनों पर कब्जे का मामला एक बार फिर सामने आया है। सुदामा नगर स्थित शिक्षक कल्याण समिति की बहुमूल्य जमीन, जो कम्युनिटी हॉल के लिए आरक्षित थी, अब कथित तौर पर अवैध कब्जे और कमर्शियल उपयोग का केंद्र बन चुकी है। जिस जगह पर सामाजिक कार्यक्रम और सामुदायिक गतिविधियाँ होनी थीं, वहां अब लोहे के शटर से बंद एक बड़ा ढांचा खड़ा है। टीन शेड, पक्की दीवारें, बिजली कनेक्शन और बाहर खड़ी मोटरसाइकिलें इस बात का संकेत देती हैं कि यह जगह सक्रिय रूप से उपयोग में है। ऐसे में सवाल उठता है कि यह कम्युनिटी हॉल है या किसी की निजी कमाई का अड्डा। सूत्रों के अनुसार वर्ष 2022 में इसी जमीन पर बने अवैध निर्माण को नगर निगम ने बुलडोजर चलाकर गिरा दिया था, लेकिन अब वही निर्माण पहले से अधिक मजबूत रूप में फिर खड़ा हो गया है। इससे यह सवाल खड़े होते हैं कि क्या पिछली कार्रवाई सिर्फ औपचारिकता थी, क्या कब्जाधारियों को पहले से भरोसा था कि वे दोबारा निर्माण कर लेंगे, या फिर इस बार उन्हें सिस्टम के भीतर से संरक्षण मिला है।

यह जमीन शिक्षक कल्याण समिति के अधीन बताई जाती है, ऐसे में बिना अंदरूनी जानकारी या सहमति के इतना बड़ा निर्माण होना मुश्किल माना जा रहा है। आशंका जताई जा रही है कि कहीं सोसाइटी के भीतर ही कोई मौन सहमति या डील तो नहीं हुई, या फिर जमीन को अनौपचारिक रूप से लीज पर दे दिया गया। अगर ऐसा है तो यह सिर्फ अनियमितता नहीं बल्कि जनता के अधिकारों के साथ सीधा विश्वासघात है। स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी तेज है कि इस पूरे मामले के पीछे किसी प्रभावशाली राजनीतिक व्यक्ति का हाथ हो सकता है। पहले कार्रवाई के बावजूद दोबारा निर्माण होना, बिना रोक-टोक बड़े स्ट्रक्चर का खड़ा होना और प्रशासन की चुप्पी इस ओर इशारा करती है कि बिना ऊपरी संरक्षण के यह संभव नहीं है। मौके की स्थिति यह भी दर्शाती है कि इस जमीन का उपयोग अब सामाजिक नहीं बल्कि व्यावसायिक गतिविधियों के लिए किया जा रहा है। यहां गोदाम, किराये का हॉल या निजी ऑफिस जैसी गतिविधियों की संभावना जताई जा रही है, जिससे साफ है कि समाज के लिए आरक्षित जमीन अब निजी मुनाफे का साधन बन चुकी है।

अगर यह जमीन कम्युनिटी उपयोग के लिए आरक्षित है, तो उस पर किसी भी प्रकार का कमर्शियल निर्माण पूरी तरह अवैध है। यह टाउन प्लानिंग नियमों का उल्लंघन है और नगर निगम की लापरवाही या मिलीभगत की ओर इशारा करता है।

चारधाम यात्रा से पहले खुले मां गौरामाई के कपाट

रुद्रप्रयाग (उत्तराखंड): केदारनाथ धाम यात्रा की आध्यात्मिक शुरुआत हो गई है. बाबा केदारनाथ के अंतिम पड़ाव गौरीकुंड स्थित मां गौरामाई मंदिर के कपाट आज बैसाखी पर्व के शुभ अवसर पर विधि-विधान के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए हैं. कपाट खुलने के साथ ही पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है. इस पल के कई श्रद्धालु गवाह बने।

केदारनाथ यात्रा के प्रमुख पड़ाव गौरीकुंड में स्थित मां गौरी माई मंदिर के कपाट आज प्रातः आठ बजे विधिवत पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए. इस दौरान बड़ी संख्या में

स्थानीय ग्रामीण एवं श्रद्धालु मौजूद रहे और माता के जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा. परंपरा के अनुसार बैसाखी पर्व की सुबह गौरी गांव स्थित मां गौरी मंदिर में आचार्य गणों द्वारा पूजा-अर्चना की गई. इसके पश्चात माता की भोग मूर्तियों को कंडी में सजाकर गौरीकुंड स्थित गौरीमाई मंदिर तक लाया गया. मंदिर पहुंचने पर कुल पुरोहित, मंदिर समिति एवं हक-हकूकधारियों की मौजूदगी में कपाट खोले गए, जो अब छह माह तक भक्तों के दर्शनार्थ खुले रहेंगे। मंदिर प्रबंधक कैलाश बगवाड़ी ने बताया कि परंपरानुसार सभी धार्मिक विधियों के बाद कपाट खोले गए हैं. गौरतलब है कि आगामी 22 अप्रैल को बाबा केदारनाथ धाम के कपाट भी आम श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे. इसके लिए प्रशासन एवं मंदिर समिति द्वारा तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है. इस अवसर पर गौरीकुंड नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष रामचन्द्र गोस्वामी ने कहा कि मां गौरामाई के कपाट खुलने से श्रद्धालुओं का छह माह का इंतजार समाप्त हो गया है. जल्द ही शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ से डोली रवाना होगी. उन्होंने बताया कि स्थानीय व्यापारियों ने अपने प्रतिष्ठानों को सजा दिया है और इस वर्ष यात्रा में नए रिकॉर्ड बनने की उम्मीद है अवसर पर पुजारी कुलपुरोहित विमल जमलोकी, मठाधीश संपूर्णानंद, प्रधान कुसुम देवी, सरपंच मुकेश गोस्वामी, महिला मंगल दल अध्यक्ष माहेश्वरी देवी, गौरीकुंड नगर व्यापार मंडल अध्यक्ष रामचन्द्र गोस्वामी सहित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे. गौर हो कि उत्तराखंड में 19 अप्रैल से चारधाम यात्रा शुरू होने वाली है. यमुनोत्री और गंगोत्री धाम के कपाट 19 अप्रैल को खुलेंगे।